कक्षा 9 : सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा का ज्ञान – मिलता है जीवन दान

पाठ्यक्रम:

1. कक्षा आठ में सीखी गईं सड़क सुरक्षा सम्बन्धित बातों को दोहराना।

2. सड़क दुर्घटना के कारणों का विश्लेषण करना –

- युवावर्ग में तीव्र गति से वाहन चलाने की आदत।
- शराब पीकर गाड़ी चलाना।
- लाल बत्ती की परवाह न करके आगे निकल जाना।
- मोबाइल फोन पर बातें करना।
- गाड़ी की उचित देखभाल न करने पर उसमें खराबी होना, ब्रेक फेल होना, टायर फटना आदि।
- बालिग होने से पहले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाना।

3. सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय :

- सड़क सुरक्षा के नियम विनियमों की जानकारी का प्रचार करें।
- माता–पिता नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलानें दें तथा उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें।
- सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लघंन करने वाले को समझाएँ।
- गाड़ी की नियमित रूप से देखभाल करें।
- गाड़ी की गति पर नियंत्रण करें।
- बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दें।

कहानी

राजू छुट्टी के दिन अपने पड़ोस के मित्र अरविंद के साथ साइबर कैफे जाता था। वहाँ वे दोनों कार रेस लगाने वाली वीडियो गेम खेला करते थे। राजू को कार चलाने का बहुत शौक था। नाबालिग होने के कारण उसके पिता उसे गाड़ी चलाने नहीं देते थे। वीडियो गेम खेलते हुए उसे लगता कि वह सचमुच कार चला रहा है और गेम में जीतने पर खुशी से चिल्लाने लगता।

एक दिन अरविंद ने राजू से पूछा, ''क्या तुम सचमुच कार चला सकते हो ?''

''हाँ, मैं कार चला सकता हूँ। मुझे कार के बारे में सब पता है। लेकिन पापा तो मुझे अपनी कार को हाथ तक लगाने नहीं देते।'' राजू ने लंबी साँस लेते हुए कहा। ''पर राजू, तुम्हारे पापा सही करते हैं क्योंकि अभी हम इतने बड़े नहीं हुए कि कार चला सकें।'' अरविंद ने उसे समझाते हुए कहा।

''पर मेरे कमलेश्वर अंकल का बेटा सोमू कार चलाता है। वह भी तो 13 वर्ष का है। मैंने उसे अपने ड्राइवर की बगल में बैठकर कार चलाते हुए देखा है। तो फिर मैं कार क्यों नहीं चला सकता।'' राजू ने कहा। ''पर राजू ड्राइवर के साथ बैठकर कार चलाने और अकेले कार चलाने में फ़र्क होता है। अगर तुम चाहो तो तुम मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखने के लिए अपने पापा से पूछ सकते हो।'' अरविंद ने कहा।

''पर मेरे पापा तो ऑफिस के काम से बाहर गए हैं। वे 15 दिन बाद लौटेंगे।'' राजू इतना कहकर चुप हो गया।अरविंद ने राजू को चुप बैठे देखा तो बोला, ''तुम उदास न हों, हम चुपचाप मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखेंगे। अभी तो हमारे स्कूल की भी छुट्टियाँ हैं।'' अरविंद की बात सुनकर राजू बहुत खुश हो गया और बोला, ''थैंक्स यार! यह तो बहुत ही अच्छा आइडिया है। मैं तुम्हारे ड्राइवर से कार चलाना सीख सकता हूँ।''

अरविंद ने ड्राइवर से पूछा तो वे गाड़ी सिखाने के लिए तैयार हो गया। उनके हाँ करने पर राजू खुशी से फूला नहीं समा रहा था क्योंकिकार चलाने का उसका सपना पूरा होने वाला था। दोनों मित्र ड्राइवर भैया, जिनका नाम संजय था, के साथ गाड़ी सीखने के लिए माल रोडगए। ड्राइवर ने पहले उन दोनों कोकार के अलग–अलग पुर्जों, जैसे –ब्रेक, गियर बॉक्स, स्टीयरिंग व्हील, सीट बेल्ट के बारे में बताया।उसके बाद वह खुदकार चलाने लगा औरबारी–बारी सेउन दोनों को भी कार चलाने के लिए स्टीयरिंग व्हील देने लगा। परन्तु उसने उन दोनों को पूरी तरह कारचलाने के लिए कभी नहीं दी।राजू ने घर में किसी को भी अरविंद के ड्राइवर से कार चलाना सीखने के बारे में नहीं बताया।

अगले दिन रविवार था। स्कूल की छुट्टियाँ भी ख़त्म हो रही थीं। अरविंद का ड्राइवर काम पर नहीं आया। राजू निराश हुआ पर दूसरे ही क्षण उसने अरविंद से कहा "चलो हम दोनों अपने आप कार चलाने चलते हैं। तुम्हारे पापाअभी वापिस नही आए हैं और हम दोनों कार चलाना भी सीख गए हैं।" राजू ने कहा।

''नहीं, अभी हम अपने आप कार नहीं चला सकते और हमारे पास नाबालिग होने के कारण ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है।'' अरविंद ने कहा।

यह सुनकर राजू बहुत उदास हो गया। राजू को उदास देखकर अरविंद ने अकेले कार चलाने के लिए हाँ कर दी। दोनों ने अपने आप कार निकाली और घर के पास सर्विस लेन में चलाने लगे। पहले अरविंद ने कार चलाई। उसे कार चलाते देख राजू बोला, "अरे वाह! अरविंद तुम तो बहुत अच्छी कार चलाना सीख गए हो।'' यह सुनकर अरविंद खुश

हो गया और तेज़ कार चलाने लगा। राजू ने स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखा हुआ था। शाम हो गई थी पर सड़क की बत्तियाँ अभी जली नहीं थीं। कुछ लोग शाम की सैर कर रहे थे। राजू ने देखा दो व्यक्ति सड़क के बीचोंबीच धीरे–धीरे चल रहे थे। अरविंद ने हॉर्न दबाया, परन्तु वह नहीं बजा। "अरे! अरविंद क्या कर रहे हो ?" तब तक कार उन व्यक्तियों तक पहुँच गई थी।

"ब्रेक लगाओ अरविंद!" राजू चिल्लाया।

अरविंद ने नीचे देखकर ब्रेक लगाने की कोशिश की तो पैर एक्सलरेटर पर जा पड़ा और कार और तेज़ हो गई।उनमें से एक व्यक्ति जो सड़क की ओर चल रहा था कार की चपेट में आ गया और कार के पहिए के साथ घिसटता चला गया। अरविंद बौखला गया। राजू ने कार को मोड़कर सीधा करने की कोशिश की तो वहएक पीछे से आते हुए स्कूटर से टकरा गई और फिर डिवाइडर से टकराकर रुक गई। राजू और अरविंद को गाड़ी के एयर बैग खुल जाने से ज़्यादा चोट नहीं लगी, परंतु जिस व्यक्ति को कार से टक्कर लगी थी उसकी कमर की हड्डी टूट गई।

राजू और अरविंद दोनों को पुलिस ने घटना स्थल पर आकर हिरासत में ले लिया। उन दोनों के घर के लोग पुलिस थाने गए और ज़मानत पर छोड़ दिया। राजू और अरविंद को इस दुर्घटना से बहुत बड़ा धक्का लगा। और उन्होंने बालिग होने तक कभी भी अकेले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कार न चलाने का वायदा किया।

प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. साइबर कैफे में जाकर दोनों मित्र क्या करते थे ?
2. दोनों मित्रों का गाड़ी चलाना सही था या नहीं ? कारण सहित बताइए।
3. अरविंद समय पर ब्रेक क्यों नही लगा पाया ?
4. व्यक्ति के कार से टकराने पर क्या हुआ ?
5. इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

गतिविधियाँ

1. 'सड़क सुरक्षा' पर पोस्टर बनाकर अपनी कक्षा में तथा स्कूल के प्रांगण में लगाइए।
2. बच्चों को इंटरनेट के लाभ तथा नुकसान के बारे में बताइए।
3. अपने पड़ोस तथा आस पास के इलाके में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में बताइए।
4. यदि कोई भी गाड़ी चलाने का प्रशिक्षण देने वाली संस्था बिना ठीक से प्रशिक्षण दिए लाइसेंस दिलवाती है तो उसकी शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए।
5. अखबारों में प्रतिदिन आने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चित्र और खबरें एकत्रित करके स्कूल और कक्षा के नोटिस बोर्ड पर लगाइए।
6. दुर्घटना स्थल पर दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बताइए और उसका अभ्यास कराइए।
7. कक्षा को दो समूहों में बाँटिए। 'पुलिस के भय से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए या नहीं' विषय पर दोनों समूहों से आपस में चर्चा करके अपने विचार बताने के लिए कहिए।

अभ्यास:

(अ) निम्नलिखित का उपयोग क्यों किया जाता है ?
हैल्मेट, सीट-बेल्ट, ब्रेक, डिक्की, साइलेसंर, साइड इंडीकेटर

(ब) 'कर' प्रत्यय लगाकर तीन शब्द लिखें।
थककर ....., ..., ...

(स) कहानी में से क्रिया विशेषण शब्द छाँटिए।

(द) निम्नलिखित शब्दों से असंगत शब्दों पर X का निशान लगाइए।
बौनट, दुर्घटना, सीट बेल्ट, ब्रेक, पुलिस

मोटर यान कानून 1988 – धारा 4

मोटर यान चलाने के संबंध में आयु सीमा

1) कोई भी व्यक्ति, जो अठारह वर्ष से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में मोटर यान नहीं चलाएगा। परंतु कोई व्यक्ति सोलह वर्ष की आयु का होने के पश्चात् किसी सार्वजनिक स्थान में (50 सी.सी. से अनधिक क्षमता वाली) मोटर साइकिल चला सकेगा।

2) धारा 18 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई भी व्यक्ति, जो बीस वर्ष से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में परिवहन यान नहीं चलाएगा।

3) कोई शिक्षार्थी – अनुज्ञप्ति उस वर्ग के लिए, जिसके लिए उसने आवेदन किया है, उस सान को चलाने के लिए किसी व्यक्ति को तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि वह इस धारा के अधीन उस वर्ग के यान को चलाने के लिए पात्र नहीं है।